नदीतमे सरस्वति

सरस्वती नदी पर 5 वां ऑनलाइन अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

(ICSR-2021)

सरस्वती नदी–नए परिप्रेक्ष्य और विरासत विकास

15 फरवरी, 2021

संयुक्त तत्वावधान:

विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान

एवं

हरियाणा सरस्वती धरोहर विकास बोर्ड (HSHDB)

Website : www.hshdb.in

पृष्ठभूमि

सरस्वती नदी ऋग्वैदिक काल से ही भारत की सबसे पवित्र और आलौकिक नदी रही है। नव-विवर्तनिक और जलवायु परिवर्तन के कारण नदी कालांतर में सूख गई। सरस्वती नदी का वर्णन हमारे प्राचीनतम ऋग्वैदिक साहित्य में "अम्बितमे, नदीतमे, देवीतमे सरस्वती" अर्थात समस्त नदियों की माता, सर्वपूजनीय नदी एवं देवियों में भी सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाली नदी के रूप में किया गया है। वैदिक सरस्वती उत्तर पश्चिम भारत की एक आलौकिक और पवित्र नदी थी जो संभवत: बन्दर पुंछ ग्लेशियर से उद्गमित होकर गुजरात के कच्छ के रण में विलीन हो गई। सरस्वती नदी के तट पर भारत ही नहीं विश्व की प्राचीनतम हड़प्पा सभ्यता के अनेक पुरास्थलों की खोज एवं उनका उत्खनन कार्य भी इस नदी की महानता एवं विशालता का प्रमाण प्रस्तुत करता है। पिछले कई दशकों में सरस्वती नदी पर किए गए व्यापक अध्ययनों के बाद भी इस नदी की गहनता, व्यापकता के अनेक पक्ष हैं, जो कि अब तक अनसुलझे हैं और इनकी पूर्णता, प्रमाणिकता ज्ञात करने की आवश्यकता है। भारतवर्ष के महत्त्वपूर्ण विभिन्न 70 से भी अधिक वैज्ञानिक संगठन अर्थात ISRO, ASI, GSI, ONGC, BARC आदि सरस्वती नदी अनुसंधान और इसकी विरासत के क्षेत्र में अब भी कार्यरत हैं।

हरियाणा सरस्वती धरोहर विकास बोर्ड (HSHDB) हरियाणा सरकार का एक स्वायत्त निकाय है। जो कि राज्य में सरस्वती नदी की प्राचीन विरासत के विकास, संवर्धन और संरक्षण के लिए स्थापित किया गया है। विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान कुरुक्षेत्र भी इस पुण्य कार्य में आरम्भ से ही अग्रणी इकाई के रूप में प्रयासरत है। संस्थान द्वारा 1984 से लगातार सरस्वती नदी की प्राचीनता उसके प्रसार एवं प्राचीन इतिहास को आने वाले नवीन पीढ़ियों, विद्यार्थियों, युवाओं एवं समाज में ज्ञान के प्रसार में सहभागी रहा है। पिछले वर्षों की तरह, इस वर्ष 15 फरवरी, 2021 को विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान कुरुक्षेत्र के तत्वावधान में एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 'सरस्वती नदी-नवीन परिप्रेक्ष्य, धरोहर एवं विकास' (ICSR-2021) का आयोजन किया जा रहा है। COVID-19 महामारी के कारण सम्मेलन संचार माध्यमों से वार्ता परस्पर संगोष्ठी के साथ केवल आमंत्रित विशेषज्ञों द्वारा आयोजित किया जा रहा है। इस महामारी के कारण प्रतिभागियों को सामाजिक सुरक्षा मानदंडों के साथ-साथ हरियाणा सरकार की मानक संचालन प्रक्रियाओं को भी ध्यान में रखते हुए अल्प संख्या में विभिन्न विषयों के ज्ञाताओं को सम्मेलन में प्रत्यक्ष रूप से आमंत्रित किया जाएगा। सम्मेलन के आयोजक समस्त बुद्धिजीवियों एवं इस विषय में अपनी गहन रुचि रखने वाले विद्वतजनों को इस अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम में विभिन्न संचार माध्यमों द्वारा सम्मिलित होने का अनुरोध करते हैं।

इस सम्मेलन का मूल उद्देश्य सभी प्रमुख शोधार्थियों और विद्वतजनों एवं इस विषय से जुड़े विभिन्न संगठनों को सरस्वती नदी पर अब तक हुए विभिन्न अनुसन्धानों, पहलुओं के विकास की जानकारी प्रदान करना है और इस विषय पर आगामी वैज्ञानिक विचार-विमर्श और सार्थक अनुसंधान के लिए एक सशक्त मंच प्रदान करना है और सरस्वती के विकास के लिए होने वाले नवीन योजनाओं और सार्थक कदमों को अंतिम स्वरूप प्रदान करना है।

शासन का उद्देश्य सरस्वती नदी के सम्बन्ध में आमजन के मध्य इस विषय और इससे जुड़े वैज्ञानिक तथ्यों की गहरी समझ को बढ़ावा देना है जो कि भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति के उद्गम स्थल और उसके किनारों पर उद्भव होने वाली महान विरासत का प्रतिनिधित्व करती है।

यह सम्मेलन विचार-विमर्श द्वारा देश और विदेश में इस विषय पर कार्यरत विशेषज्ञों द्वारा आमंत्रित वार्ता की एक विस्तृत श्रृंखला को समाहित करेगा।

सम्मेलन का आरम्भ उद्घाटन सत्र के साथ मुख्य भाषण एवं तकनीकी सत्र, विचार-विमर्श और वार्ता के रूप में सम्पन्न होगी। सरस्वती नदी, इसकी विरासत और भारतीय संस्कृति और परंपराओं में रुचि रखने वाले शोधकर्ताओं, विद्वानों और आमजन को ऑनलाइन के माध्यम से सम्मेलन में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया जा रहा है।

सम्मेलन के व्यापक उप-विषय हैं:

- सरस्वती नदी के भू-वैज्ञानिक पहलू
- पुरातात्विक अध्ययन और विरासत का विकास
- कृषि पद्धतियाँ और उनकी ऐतिहासिकता
- इंडोलॉजिकल, वैदिक, सांस्कृतिक और भाषाई अध्ययन
- साहित्यिक और जन श्रुतिक परंपराएं
- सरस्वती नदी का कायाकल्प, विरासत का विकास और कृत्रिम पुनर्भरण
- संभावित पर्यटन स्थल के विकास और संकल्पना

मुख्य कार्यक्रम

15 फरवरी, 2021

सत्र	समय
उद्घाटन सत्र	प्रात: 10:00 बजे से मध्याह्न 12:40 बजे तक
प्रारंभिक विचार विमर्श	मध्याह्न 12:40 से 1:30 बजे तक
तकनीकी सत्र	अपराहन 2:25 बजे से 4:45 बजे तक
समापन सत्र	सायं 5:00 बजे से 5:40 बजे

स्थान

नैमिषारण्य सभागार,
विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान,
संस्कृति भवन, सलारपुर रोड,
कुरुक्षेत्र-136118 हरियाणा (भारत)

परामर्शदात्री समिति

संरक्षक

डॉ. रामेंद्र सिंह
निदेशक,
विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान, कुरुक्षेत्र

श्री धुमन सिंह किरमच
उपाध्यक्ष,
हरियाणा सरस्वती धरोहर विकास बोर्ड

श्री विजयेंद्र कुमार, आई.ए.एस.
प्रधान सचिव, हरियाणा सरकार,
मुख्य कार्यकारी अधिकारी, हरियाणा सरस्वती धरोहर विकास बोर्ड

श्री अमित झा, आई.ए.एस.
अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार
सलाहकार-हरियाणा सरस्वती धरोहर विकास बोर्ड

सदस्य

श्री भारत भूषण भारती
अध्यक्ष,
हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग

प्रो॰ डॉ॰ ए॰आर॰ चौधरी
निदेशक,
सरस्वती नदी उत्कृष्टता शोध केन्द्र, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय

पद्मश्री डॉ॰ सतीश कुमार
निदेशक,
राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कुरुक्षेत्र

श्री अवनीश भटनागर
सचिव,
विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान, कुरुक्षेत्र

स्थानीय आयोजन समिति सदस्य

श्रीमती शरणदीप कौर बराड़, आई.ए.एस.
उपायुक्त, कुरुक्षेत्र

प्रो॰ डॉ॰ ओम प्रकाश अरोड़ा
पूर्व निदेशक, फार्मेसी विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय

डॉ॰ प्रीतम सिंह
बी.आर. अंबेडकर केन्द्र, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय

श्री अरविंद कौशिक
अधीक्षण अभियंता, हरियाणा सरस्वती धरोहर विकास बोर्ड
सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग

डॉ॰ दीपा नथालिया
अनुसंधान अधिकारी, हरियाणा सरस्वती धरोहर विकास बोर्ड

श्री मुकेश
सरस्वती नदी शोध संस्थान, यमुनानगर

डॉ॰ ए॰के॰ गुप्ता
पूर्व निदेशक, इसरो एवं सदस्य, हरियाणा सरस्वती धरोहर विकास बोर्ड

डॉ॰ समीर दीवान
सहायक अधीक्षक, पुरातत्वविद, ए.एस.आई., कुरुक्षेत्र

श्री राजेन्द्र राणा
पुरातत्वविद्, देहरादून

डॉ॰ सी॰सी॰ त्रिपाठी
विभागाध्यक्ष, फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय

डॉ॰ हुकम सिंह
परीक्षा नियंत्रक, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय

श्री जयभगवान सिंगला
उद्योगपति एवं समाजसेवी, कुरुक्षेत्र

श्री लक्ष्य बिन्द्रा
सरस्वती नदी शोध संस्थान, जगाधरी

डॉ॰ घनश्याम शर्मा
सेवानिवृत्त प्रधान वैज्ञानिक, एन॰डी॰आर॰आई॰, करनाल

श्री पवन कुमार गुप्ता
सेवानिवृत्त एस.डी.ई., पी.डब्ल्यू.डी., कुरुक्षेत्र

डॉ॰ लक्ष्मी गुप्ता
सहायक प्रोफेसर, जी.एन.जी.सी., यमुनानगर

डॉ॰ विनीत जैन
सहायक, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा

डॉ॰ पूजा रानी
सहायक प्रोफेसर, एम.एल.एन. कालेज, यमुनानगर

श्री अर्जुन सिंह
रथ फाउंडेशन

श्री रमेश गुलाटी
सेवानिवृत्त बैंक अधिकारी, कुरुक्षेत्र

श्री सुभाष बंसल
सेवानिवृत्त बैंक अधिकारी, कुरुक्षेत्र

श्री वासुदेव प्रजापति
सह-सचिव, विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान

डॉ॰ पंकज शर्मा
कोषाध्यक्ष, वि.भा.सं.शि.संस्थान, कुरुक्षेत्र

डॉ॰ आर॰ ऋषि
सदस्य, वि.भा.सं.शि.संस्थान, कुरुक्षेत्र

श्री नारायण सिंह
प्राचार्य, गीता निकेतन आवासीय विद्यालय, कुरुक्षेत्र

प्रो॰ सी॰डी॰एस॰ कौशल
पूर्व निदेशक, युवा एवं कल्याण विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय

प्रो. सुरेन्द्र मोहन मिश्र
प्रभारी, गुलजारी लाल नंदा केन्द्र, कुरुक्षेत्र

प्रो॰ जीवन बख्शी
राजकीय कालेज, करनाल

प्रो. दिनेश सिंह राणा
डिपार्टमेंट ऑफ इंस्ट्रूमेंटेशन, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय

डॉ॰ मुक्ता शर्मा
सहायक प्रोफेसर, जियोलॉजी विभाग, पी.टी.यू.

सम्पर्क विवरण

सम्मेलन निदेशक

डॉ॰ रामेन्द्र सिंह
निदेशक,
विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान,
संस्कृति भवन, कुरुक्षेत्र 136118, हरियाणा, भारत
ईमेल : icsr2021ku@gmail.com

प्रो. डॉ. ए.आर. चौधरी
निदेशक,
सरस्वती नदी उत्कृष्टता शोध केंद्र (CERSR),
कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय,
कुरुक्षेत्र 136119, हरियाणा, भारत

संयोजक

श्री अरविंद कौशिक
अधीक्षण अभियंता,
हरियाणा सरस्वती धरोहर विकास बोर्ड
सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग
मो. 9416262436
ईमेल: icsr2021ku@gmail.com

आयोजन सचिव

डॉ. दीपा नथालिया
अनुसंधान अधिकारी (भू)
हरियाणा सरस्वती धरोहर विकास बोर्ड,
मो. 7986668473
ईमेल: icsr2021ku@gmail.com

सम्मेलन ऑनलाइन पंजीकरण

कृपया https://t.ly/dUoi पर क्लिक करके ऑनलाइन पंजीकरण फॉर्म भरें।